स्माक 964-स-2-96/10494.— की माना राम, युन की मूक राम, निवासी गांव बेरी, तहसील सम्बर् जिया रोहतक को क्वीं वंजान कुछ पुरस्कार अधिनियम, 1948 की बारा 2(ए) (ए) तथा 3 (१ए) के ध्रधीय सरकार की ध्रिक्ष्यमा क्वांक 442-ज-2-79/17128, विनांक 11 अप्रैल, 1979 हाथा 150 क्यां वार्षिक और उसकें बाद अधिभूचना क्वांक 1789-ज-I-79/44040, विनांक 30 अक्टूबर, 1979 हारा 150 क्यां से बढ़ाकर 300 क्यां बाह्य की दर से जामीर मंगूर की गई थी।

2. अब श्री माया राम की दिनांक 6 अगस्त, 1995 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वक्य हरियाणा के राज्यपाल, अपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अवनाया गया है और उसमें आज तक संसोधन किया गया है) की जारा 4 के अधीन प्रदान की नई कवित्यों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को भी माया राम की विधवा अभिनती छन्तो देवी के नाम रवी, 1996 से 1,000 वपये वार्षिक की दर से सन्दर्भ दी गई शर्जों के अन्तर्भत तबदील करते हैं।

क्रमांक 959-ज-2-96/10498.—श्री सरवन लाल, पुत्र श्री विश्वन दास, निवासी गांव कम्बासी, तहसील मम्बाला, जिला प्रम्बाला को पूर्वी पंताब युद्ध पुरुष्कार प्रधिनियम, 1948 की धारा 2(ए) (१ए) तथा 3(१ए) के प्रधीन सरकार की श्रक्षित्वा क्रमांक 1207-ज-1-83/39806, दिनांक 1 दिसम्बर, 1983 द्वारा 150 रुपये वार्षिक भीर उसके बाद श्रिक्ष्मिना क्रमांक 1789-म-1-79/44040, दिनांक 30 श्रक्तूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. प्रव श्री सरवन लाल की विनांक 2 श्रवत्वर, 1992 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वद्भर हरियाचा के राज्यपाल, उपरोक्त प्रवित्यम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संकोधन किया गया है) की बारा 4 के श्रवीन प्रदान की गई शक्तियों का त्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री सरवन लाल की विधवा श्रीमसी शीला देवी के नाम बरीम, 1992 से 300 रूपये नार्षिक को दर तथा रवी, 1993 से 1,000 रुपये वार्षिक की दर से बनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

(इस्ताकर)

प्रवर सचिव, इरियाका करकार, राजस्य विद्यापः।